Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Two-day workshop on 'Gaudhan Vikas, Atmanirbhar Kisan Abhiyan'

Newspaper: Amar Ujala **Date: 07-05-2022**

कार्यक्रम

हकेंविवि में दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ, उपायुक्त हुए शामिल

मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही : उपायुक्त

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला, गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों के लिए आयोजित कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त श्याम लाल पुनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गोधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है।

उपायुक्त श्याम लाल पुनिया ने कहा कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से गोधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि मनुष्य की मूल प्रकृति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम करता है। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबल फ्यूचर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। उपायुक्त ने आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्वयक रमेश यादव, नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा।

कार्यशाला में उपायुक्त श्याम लाल पुनिया को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति। संवाद

एसडीएम दिनेश कुमार ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को जिला प्रशासन अंजाम तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आयोजन में सम्मिलित हिसार की लाडवा गोशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा, रजनीश, रविंद्र का आभार व्यक्त किया। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कार्यशाला के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से गोधन विकास के विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी। साथ ही साथ कृषि क्षेत्र में जारी बदलावों पर भी विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण लाडवा गोशाला है जो कि अपने कुशल प्रबंधन के लिए न सिर्फ भारत बल्कि एशिया के स्तर पर अपनी एक अलग पहचान रखती है। कार्यक्रम में गोधन आधारित वस्तुओं की प्रदर्शनी भी आयोजन स्थल पर लगाई गई है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान का उल्लेख करते हुए किसानों के विकास और भारत निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि किसान विभिन्न चुनौतियों के बावजूद मानव जाति के कल्याण हेतु निरंतर प्रयासरत है। और उनके सहयोग के लिए विश्वविद्यालय इस तरह के आयोजन भविष्य में भी करता रहेगा। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश यादव, आरपीएस ग्रुप के प्रतिनिधि डॉ. महेश यादव, लाडवा गोशाला के प्रबंधक मोहन शर्मा ने प्रतिभागियों को कृषि व गोधन विकास के मोर्चे पर तकनीकी बदलावों के साथ व्यवहारिक पक्षों से भी अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के सहआचार्य डॉ. दिनेश चहल ने दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 07-05-2022**

हकेंवि में गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी व दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों हेतु आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गोधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही

प्रशिक्षण कार्यशाला में उपायुक्त को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर।

इसके माध्यम से गोधन विकास और कृषि के क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरूकता को बढ़ा पाना संभव होगा जो कि आत्मनिर्भर गांव, जिले, राज्य व देश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व आयोजकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से गोधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम करता है। जिसके परिणाम स्वरूप जरूरत है कि आपसी समन्वय स्थापित कर मिलकर प्रकृति के विकास के लिए कार्य किया जाए। उन्होंने गोधन विकास को नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाडवा गौशाला का उदाहरण उपस्थित है, जिससे सीखकर हम भी गौशालाओं को समृद्ध बना सकते हैं। जिला उपायुक्त ने अपने संबोधन में गोधन विकास व कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणामों के लिए कृषि व गोधन वैज्ञानिक तथा किसान के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि सस्टेनेबल फ्यूचर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। अपने संबोधन में जिला उपायुक्त ने आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्वयक रमेश यादव, नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। इसी क्रम में एसडीएम दिनेश कुमार ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को जिला प्रशासन अंजाम तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आयोजन में सम्मिलित लाडवा गौशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा, राजवीर व रविंद्र का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके मार्गदर्शन व अनुभव का लाभ स्थानीय गौशाला संचालकों को इस कार्यशाला के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा।

नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कार्यशाला के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से गोधन विकास के विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी। साथ ही साथ कृषि क्षेत्र में जारी बदलावों पर भी विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण लाडवा गौशाला है जो कि अपने कुशल प्रबंधन के लिए न सिर्फ भारत बल्कि एशिया के स्तर पर अपनी एक अलग पहचान रखती है। कार्यक्रम में गोधन आधारित वस्तुओं की प्रदर्शनी भी आयोजन स्थल पर लगाई गई है। कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने अपने संबोधन में भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान का उल्लेख करते हुए किसानों के विकास और भारत निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि वे कृषि विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत हैं और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माध्यम से वे स्थानीय कृषकों की बेहतरी के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश यादव, आरसीएम ग्रुप के प्रतिनिधि डॉ. महेश यादव व लाडवा गौशाला के मैनेजर मोहन शर्मा ने अपने संबोधन के माध्यम से प्रतिभागियों को कृषि व गोधन विकास के क्षेत्र में तकनीकी बदलावों के साथ व्यावहारिक पक्षों से भी अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के सहआचार्य डॉ. दिनेश चहल ने दिया। आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों सहित जांट, पाली, भुरजट, धोली और खुडाना गांवों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 07-05-2022**

गोधन विकास, आत्मनिर्भर किसान अभियान शुरू

हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ, उपायुक्त पूनिया व एसडीएम दिनेश विशिष्ट अतिथि

हकेंवि में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण को संबोधित करते उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ● सौ. संस्था

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में उपायुक्त को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. संस्था

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों के लिए आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हुए।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गोधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से गोधन विकास और कृषि के क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरूकता को बढ़ा पाना संभव होगा जो कि आत्मनिर्भर गांव, जिले, राज्य व देश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व आयोजकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से गोधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। उपायुक्त ने कहा कि मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम करता है।

उन्होंने गोधन विकास को नैतिक जिम्मेवारी बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाडवा गोशाला का उदाहरण उपस्थित है, जिससे सीखकर हम भी गोशालाओं को समृद्ध बना सकते हैं। जिला उपायुक्त ने आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्वयक रमेश यादव, नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। एसडीएम दिनेश कुमार ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रवास को जिला प्रशासन अंजाम तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आयोजन में सम्मिलित हिसार की लाडवा गोशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा, रजनीश व रविंद्र का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके मॉडल व अनुभव का लाभ स्थानीय गोशाला संचालकों को इस कार्यशाला के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य आकर्षण लाडवा गोशाला है जो कि अपने कुशल प्रबंधन के लिए न सिर्फ भारत बल्कि एशिया के स्तर पर अपनी एक अलग पहचान रखती है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने अपने संबोधन में भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान का उल्लेख करते हुए किसानों के विकास और भारत निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि वे कृषि विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत हैं और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माध्यम से वे स्थानीय कृषकों की बेहतरी के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश यादव, आरसीएस ग्रुप के प्रतिनिधि डा. महेश यादव व लाडवा गोशाला के मैनेजर मोहन शर्मा ने अपने संबोधन के माध्यम से प्रतिभागियों को कृषि व गोधन विकास के मोर्चे पर तकनीकी बदलावों के साथ व्यावहारिक पक्षों से भी अवगत कराया।

कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने और धन्यवाद ज्ञापन डा. दिनेश चहल ने दिया। आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठात, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों सहित जाट, पाली, धुरजट, धौली और खुडाना गांवों के प्रतिनिधि भारी संख्या में उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Harbhoomi **Date: 07-05-2022**

हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

गोधन विकास, आत्मनिर्भर किसान अभियान का शुभारंभ

उपायुक्त श्याम लाल पूनिया व एसडीएम दिनेश कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। जिला उपायुक्त को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों हेतु आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपायुक्त श्याम लाल पूनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गौधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचालक रहा है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु इस तरह के आयोजनों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से गौधन विकास और कृषि के क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरूकता को बढ़ा पाना संभव होगा जो कि आत्मनिर्भर गांव, जिले, राज्य व देश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। कुलपति ने स्थानीय प्रशासन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में कहा कि उन्हें आशा है कि यह प्रयास इस कार्यशाला से आगे बढ़कर धरातल पर उल्लेखनीय परिणामों को प्राप्त करेगा। विशिष्ट अतिथि उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व आयोजकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से गौधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम करता है, जिसके परिणामस्वरूप जरूरत है कि आपसी समन्वय स्थापित कर मिलकर प्रकृति के विकास के लिए कार्य किया जाए।

गोशालाओं को समृद्ध बनाने का आह्वान

उन्होंने गौधन विकास को नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाडवा गौशाला का उदाहरण उपस्थित है, जिससे सीखकर हम भी गौशालाओं को समृद्ध बना सकते हैं। जिला उपायुक्त ने अपने संबोधन में गौधन विकास व कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणामों के लिए कृषि व गौवंश वैज्ञानिक तथा किसान के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबल फ्यूचर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। अपने संबोधन में जिला उपायुक्त ने आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्वयक रमेश यादव, नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। इसी क्रम में एसडीएम दिनेश ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को जिला प्रशासन के साथ रहेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 07-05-2022**

गौधन विकास, आत्मनिर्भर किसान अभियान की शुरूआत

सस्टेनेबल फ्यूचर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर करने होंगे प्रयास: उपायुक्त

गौधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक: प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़, 6 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ।

नवाचार एवं उदभवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों हेतु आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया व एस.डी.एम. दिनेश कुमार शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गौधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है।

उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से गौधन विकास और कृषि के क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरूकता को बढ़ा पाना संभव होगा जो कि आत्मनिर्भर गांव, जिले, राज्य व देश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व आयोजकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से गौधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम करता है, जिसके परिणाम स्वरूप जरूरत है कि आपसी समन्वय स्थापित कर मिलकर प्रकृति के विकास के लिए कार्य किया जाए।

उन्होंने गौधन विकास को नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाडवा गौशाला का उदाहरण उपस्थित है, जिससे सीखकर हम भी गौशालाओं को समृद्ध बना सकते हैं।

जिला उपायुक्त ने अपने संबोधन में गौधन विकास व कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणामों के लिए कृषि व गौवंश वैज्ञानिक तथा किसान के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबल फ्यूचर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे।

अपने संबोधन में जिला उपायुक्त ने आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्वयक रमेश यादव, नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा।

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते उपायुक्त श्याम लाल पूनिया।

गौधन पर आधारित वस्तुओं की लगाई प्रदर्शनी

एस.डी.एम. दिनेश कुमार ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को जिला प्रशासन अंजाम तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आयोजन में सम्मिलित हिसार की लाडवा गौशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा, रजनीश व रविंद्र का आभार व्यक्त किया।

नवाचार एवं उदभवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण देते कार्यशाला के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से गौधन विकास के विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी। साथ ही साथ कृषि क्षेत्र में जारी बदलावों पर भी विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यक्रम में गौधन आधारित वस्तुओं की प्रदर्शनी भी आयोजन स्थल पर लगाई गई है।

किसान विभिन्न चुनौतियों के बावजूद मानव जाति के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने अपने संबोधन में भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान का उल्लेख करते हुए किसानों के विकास और भारत निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि किसान विभिन्न चुनौतियों के बावजूद मानव जाति के कल्याण हेतु निरंतर प्रयासरत है और उनके सहयोग के लिए विश्वविद्यालय इस तरह के आयोजन भविष्य में भी करता रहेगा। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश यादव, आर.पी.एस. ग्रुप के प्रतिनिधि डॉ. महेश यादव व लाड्या गौशाला के मैनेजर मोहन शर्मा ने अपने संबोधन के माध्यम से प्रतिभागियों को कृषि व गौधन विकास के मोर्चे पर तकनीकी बदलावों के साथ व्यावहारिक पक्षों से भी अवगत कराया।

कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन नवाचार एवं उदभवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के सह-आचार्य डॉ. दिनेश चहल ने दिया। आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठात, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों सहित जांट पाली, भुरजट, धोली और खुडाना गांवों के प्रतिनिधि भारी संख्या में उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 08-05-2022**

आत्मनिर्भर भारत के लिए अन्नदाता का आत्मनिर्भर होना जरूरी : ओपी यादव

- कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन
- विवि द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों के आत्मनिर्भरता की पहल

हकेवि में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते डा. ओपी यादव● सौ. संस्था

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आरपीएस ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक निदेशक डा. ओपी यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आरपी तुलसीयान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

कार्यशाला के समापन सत्र में मुख्य अतिथि डा. ओपी यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की प्रशंसा की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. आरपी तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि कुलपति के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में मंच का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया।

कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चौहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसर सिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान, विभिन्न गांवों के सरपंच, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 08-05-2022**

आत्मनिर्भर भारत के लिए अन्नदाता का आत्मनिर्भर होना जरूरी: यादव

■ हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विवि में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विवि के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विवि द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के संस्थापक निदेशक डॉ. ओपी यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विवि दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आरपी तुलसीयान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के

महेंद्रगढ़। प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते डॉ.ओपी यादव। फोटो: हरिभूमि

दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

कार्यशाला के समापन सत्र के मुख्यातिथि डॉ. ओपी यादव ने कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना बहुत जरूरी है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) **Date: 08-05-2022**

अन्नदाता का आत्मनिर्भर होना जरूरी: यादव

हकेवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

महेंद्रगढ़, प्रवीण कुमार (पंजाब केसरी) :हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के संस्थापक निदेशक डॉ. ओ.पी. यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आर.पी. तुलसीयान विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

कार्यशाला के समापन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. ओ.पी. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरु की गई इस पहल का लाभ अवश्य ही किसानों को मिलेगा। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की प्रशंसा की। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि प्रो. आर.पी. तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों को विस्तार से प्रतिभागियों के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कुलपति महोदय के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में किसान हितैषी शोध व अनुसंधान कार्य किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में मंच का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चौहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसर सिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान, विभिन्न गांवों के सरपंच, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 08-05-2022**

देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत अहम योगदान: ओ.पी. यादव

हकेंवि में 2 दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

महेंद्रगढ़, 7 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार को 2 दिवसीय कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ।

विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आर.पी.एस. ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन्स के संस्थापक निदेशक डॉ. ओ.पी. यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आर.पी. तुलसीयान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

कार्यशाला के समापन सत्र के मुख्यातिथि डॉ. ओ.पी. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है, इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना बहुत जरूरी है।

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू की गई इस पहल का लाभ अवश्य ही किसानों को मिलेगा। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. आर.पी. तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है।

प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते प्रो. आर.पी. तुलसीयान।

विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत: कुलसचिव

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों को विस्तार से प्रतिभागियों के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कुलपति महोदय के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में किसान हितैषी शोध व अनुसंधान कार्य किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में मंच का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चौहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसर सिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान, विभिन्न गांवों के सरपंच, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 09-05-2022**

कार्यशाला

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय कार्यशाला का समापन

किसानों का आत्मनिर्भर बनना जरूरी: ओपी यादव

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विवि के नवाचार एवं उद्भव केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया था। समापन अवसर पर आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक निदेशक डॉ. ओपी यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आरपी तुलसीयान विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डॉ. ओपी यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना बहुत जरूरी है। विवि द्वारा गोद लिए गए गांवों को आत्मछिनर्भर बनाने के लिए शुरु की गई इस पहल का लाभ अवश्य ही किसानों को मिलेगा। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की सराहना की।

कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। संवाद

विशिष्ठ अतिथि प्रो. आरपी तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है।

कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कुलपति के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चैहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसर सिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान और शोधार्थी उपस्थित रहे।